नहीं पहुंच पाये है। (व्यवधान) किसान रैली के नाम पर सैकड़ों लोगों को रोका गया है। संसद्-सदस्य हाउस में नहीं आ पाये है। (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Mr. Rameshwar Singh.... (*Interruptions*) Just a minute. There is one concluding.... (*Interruptions*) I am sorry. the hon. Member...

श्री रामानन्द यादव (बिहार) : जब प्रोसीडिंग्स चल रही है.. (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please sit down. Hon. Members will please sit down. The solemn business which we have commenced has not yet terminated, and I think you are speaking out of turn.

Secretary-General will convey to the members of the bereaved families our sense of profound sorrow and deep sympathy.

REFERENCE TO THE DIFFICULTIES, CAUSED TO MEMBERS OF PARLIAMENT IN TRAIN JOURNEY TO DELHI TO ATTEND PARLIAMENT SESSION

SHRI MANUBHAI PATEL: (Gujarat): Sir, I seek your protection as a Member in the performance of my duty. Obstacles are created so that a Member cannot reach Delhi easily. On the 14th night, in the 81 Up Express, myself and Shri Ravindra Verma from the other House had prior reservation in Coach No. 1077. My berth reservation number was 2 and Shri Ravindra Verma's 5. They were confirmed. The Railway Reservation Superintendent took us to the coach, but we were not allowed to enter the coach. With great trouble we entered the coach. But it was so full that they could not vacate it and give us our reserved berth. (*Interruptions*) Please.

SHRI HARISINH BHAGUBAVA MAHIDA (Gujarat): Who did not allow? (*Interruptions*).

SHRI MANUBHAI PATEL: Can you not listen? It is for all Members of Parliament. It might be your turn tomorrow. Why do you shout, when I am patiently trying to pose a problem before the House?

MR. CHAIRMAN: Please hear him.

SHRI MANUBHAI PATEL: I seek the protection of the Chairman and through him, of the Leader of the House and of the whole House. As a result, we were thrown into the corridor of IAC compartment and for the whole night we came standing with luggage in hand. We could not move; we could not go to attend calls of nature also. And the train which should have reached here at 9-30 in the morning arrived here at 3-00 in the afternoon. Sir, you can imagine the difficulties of the Members who were travelling by the train and coming to attend the session here to perform their duty I want to draw the attention of the Government through you, to see this harassment is removed and no Member is put to any difficulty.

श्री रामेश्वर सिंह (उत्तर प्रदेश) : सभापति जी, मैंने व्यवस्था का प्रश्न उठाया है। आप आज का अखबार देखिए। मोगलसराय स्टेशन लूट लिया गया है। कांग्रेस रैली के नाम पर (व्यवधान) मोगलसराय स्टेशन लूट लिया गया है। (व्यवधान)।

श्री रामानन्द यादव (बिहार) : सभापति जी, सभापति जी, (व्यवधान)...

श्री रामेश्वर सिंह : पचासों लोग घुस गये डिब्बों में, स्टेशन में और उनके

[श्री रामेश्वर सिंह]

पास टिकट भी नहीं था (व्यवधान)। आज इस देश में क्या हो रहा है (व्यवधान) वहां लोगों को पीटा गया है, पैसेंजर्स को पीटा गया है और यह सारा काम सुनियोजित ढंग से किया गया है। (व्यवधान)।

श्री सभापति : रामेश्वर सिंह जी, सुनिये।

श्री सतपाल मित्तल (पंजाब) : 50 लाख आदमी हिन्दुस्तान की हर जगह से चल कर आया है।

MR. CHAIRMAN: Just a minute. Mr. Rameshwar Singh, I have informed the Leader of the House that any such complaint made to me in writing, I shall ask the Government to explain...

SHRI MANUBHAI PATEL: Why in writing? I have given the details of the coach number, berth number, etc.

MR. CHAIRMAN: Because. I cannot collect everybody's details like this. If you give it in writing I shall send it over to the Government for an explanation. Whether it will be a good explanation or a bad explanation whatever it is. we will see.

श्री रामानन्द यादव : सभापति जी, सभापति जी, (व्यवधान)।

श्री रामेश्वर सिंह : ट्रेजरी बेंचेज नहीं चाहती हैं कि हाउस की कार्यवाही शान्ति से चले (व्यवधान)।

श्री रामानन्द यादव : सभापति जी, इस तरह का विवाद आज यहां उन लोगों के द्वारा उठाया जा रहा है कि जो स्वयं 1978 में इसी दिल्ली के अन्दर इस प्रकार की अव्यवस्था फैलाये थे।

श्री रामेश्वर सिंह : कभी नहीं।

कुछ अन्य माननीय सदस्य : कभी नहीं। (व्यवधान)..

श्री रामानन्द यादव : सारी स्टेट मशीनरी का इन लोगों ने व्यवहार किया था और लाखों लोगों को यह लोग बुला कर लाये थे (व्यवधान) सरकारी मशीनरी का इन लोगों ने व्यवहार किया था। लोगों से रुपया कलेक्ट किया इन लोगों ने चीफ मिनिस्टर्स ने और हम लोगों ने केवल काल दिया, हमारे नेता ने, कांग्रेस कमेटियों ने काल दिया और आज 50 लाख आदमी अपार जनसमूह अपना पैसा खर्च कर के, अपना टिकट कटा कर, अपने पैसे के बल पर इंदिरा जी की काल पर इस दिल्ली में पहुंचे हैं और जिस ढंग से वे यहां पहुंच रहे हैं उस के लिए वे अपनी छाती पर हाथ धर कर कहें कि किस तरह से हमारे लोग इस रैली में आये हैं। इस तरह का एलीगेशन जो वह लगा रहे हैं उसका साफ मतलब है कि हमारी रैली को देख कर उन के दिल में जलन पैदा हो रही है। यह किसानों का नाम लेने वाले लोग जब देखते हैं कि सारे देश के किसान कांग्रेस के साथ हैं और दिल्ली में आ रहे हैं तो उन को जलन होती है (व्यवधान) इसलिए यह इस तरह से चिल्ला रहे हैं नारे लगा रहे हैं। सभापति जी, ऐसी रैली यह कभी नहीं कर पायेंगे चाहे वे किसानों के बेटा बनने की कोशिश करें या चाहे जितने किसानों के शुभ-चिन्तक बनने की कोशिश करें, या कोई भी नारे देते रहें। आज जो जनसमूह हल जोतने वाले किसानों का, खेत में बीज बोने वाले किसानों का, कटाई करने वाले किसानो का, माथे पर बोझा ढोने वाले किसानों का 50 लाख की तादाद में यहां एकत्रित हुआ है वह हमारे नेता की काल पर आया है। जिस व्यवस्थित ढंग से यहां उपस्थित किसान हुए हैं, उसकी

कहीं मिसाल नहीं। आपने उनको पैसा नहीं दिया। हमने किसानों को पैसा दे कर बुलाया है।...(व्यवधान)।

श्री सभापति : यादव जी, जो आप कहना चाहते थे, कह चुके। मिस्टर अडवानी।

श्रीमती सरोज खापर्डे (महाराष्ट्र) : जलने वाले जला करें, किस्मत हमारे साथ है।

MR. CHAIRMAN: Mr. Advani.

SHRI LAL K. ADVANI (Gujarat): Mr. Chairman, you have kindly said that those Members who have had any difficulty or inconvenience because of this rally may write to you and you will ask the Government to enquire and ensure that this kind of difficulty does not arise. I think this difficulty or inconvenience caused to the citizens and Members is a peripheral matter arising out of this rally. The much more important point is that in a democracy there is a very clear dividing line between the ruling party and the Government. This is the essence of democracy. Where this line disappears altogether and the ruling party and the Government become one thing, my submission is that the matter becomes very vital and of crucial importance. We should discuss how Governments are run and parties will function. I would say that we should have a fullfledged discussion or debate on the issue how this rally has been organised. I am going to give you facts on the basis of statements made by them.. (*Interruptions*). Sir, never in the last thirty years..(*Interruptions*). They are the guilty people. During the last thirty years there has never been such a gross abuse and violation of all norms as had happened in this rally.

The General Secretary himself has said that twenty lakhs of people are coming here. Whether they are kisans or not is a different matter. He also said that per head there is going to be an expenditure of Rs. 500/-. Now multiply five hundred with twenty lakhs. That makes a total of Rs. 100 crores.. (*Interruptions*). At a time.. (*Interruptions*). Please control them. At a time..

SHRI HARI SINGH NALWA (Haryana): Where were you in 1978?

MR. CHAIRMAN: Mr. Advani do not say then that there should be a debate or discussion.

SHRI LAL K. ADVANI: Sir, I think it is a criminal wastage of public money in the name of this Party *tamasha* which is being held at the Government expense. A sum of Rs. 100 crores is being spent on this. A full-fledged discussion or debate on this issue should be held....(*Interruptions*).

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, मैं सिर्फ एक बात कहना चाहता हूं कि सरकार ने सरकारी पक्ष और विरोधी पक्ष दोनों का रोल अदा करना शुरू कर दिया है। जो सरकार का विश्वास है कि 'अपोजिशन इज इरेलेवेंट है' और जैसा कि उनके चीफ मिनिस्टर्स कहते हैं, एक अपनी साजिश चल रही है ताकि धीरे धीरे वह डिक्टेटरशिप की ओर जा रहे हैं। अपोजिशन का भी रोल अदा करने जा रहे हैं।... (व्यवधान) केसरी जी मैं खत्म कर रहा हूं... (व्यवधान)

सैयद सिब्ते रजी (उत्तर प्रदेश) : ये जनवादी शक्तियों से भयभीत हो गये हैं। (व्यवधान)

SHRI NAGESWAR PRASA SHAHI: Sir, the role of tl Opposition is defined and tl role of the ruling party is n defined. But now they say that t

[Shri Nageswar Prasad Shahi]

role of the Opposition is destructive. It means that they are steadily and gradually going towards dictatorship. (*Interruptions*)

श्रीमन्, आज पार्लियामेंट के मेम्बरों को भी पार्लियामेंट में आने से रोका जा रहा है। वह पार्लियामेंट नहीं आ सकते। प्रेस को भी और जुडिशियरी को भी अपने हाथ में कर रखा है। मेरा निवेदन है कि आज दिल्ली में जो तमाशा हो रहा है उसी की वजह से आज दिल्ली की सारी जनता परेशान है। हम चाहते हैं इस मामले पर यहां बहस होनी चाहिए। (व्यवधान) यह सारा तमाशा गवर्नमेंट की कास्ट पर है और गवर्नमेंट मशीनरी यूज की जा रही है। We demand a discussion on this, Sir.

श्री सुलतान सिंह (हरियाणा) : मैं यह कहना चाहता हूं कि मुहम्मद करीम छागला इस सदन के महान व्यक्ति थे। उसके कारण सारा हाऊस शोक में डूबा हुआ है। अब हाउस को एडजार्न होना चाहिए और जो चर्चा हो रही है वह नहीं होनी चाहिए।

संसदीय कार्य विभाग में राज्य मंत्री (श्री सीताराम केसरी) : सभापति जी, मुझे बहुत दुख हो रहा है यह सुनकर, खास कर आडवाणी साहब के मुखारविंद से कि एक व्यक्ति पर 500 रुपये खर्च किये जा रहे हैं। यह आरोप बिल्कुल निराधार है (व्यवधान)

श्री रामेश्वर सिंह : यह सही है। एक आदमी पर 500 रुपये खर्च किये जा रहे हैं। यह कांग्रेस (आई) पार्टी के जनरल सेक्रेटरी ने माना है। (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Mr. Rameshwar Singh, let the Minister speak. (*Interruptions*).

श्री सीताराम केसरी : मेरा आपसे निवेदन है आज देश भर के किसान लोग यहां आए हुए हैं। कांग्रेस दल की ओर से उन्हें आह्वान् हुआ है और इन्दिरा गांधी जी की तरफ से भी। विरोधी दल की ओर से भी अक्सर रैलियां होती आई हैं। अभी आपने पढ़ा भी है कि महाराष्ट्र में भी रैली हुई थी। (व्यवधान) मेरा आपसे निवेदन है कि सभी राजनीतिक पार्टियों की तरफ से रैलियां होती हैं। मगर इन्होंने जिस तरह से दोषारोपण किया है वह ठीक नहीं है। उसको हम खंडित करते हैं।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : सरकार नही करती है।

श्री सीताराम केसरी: हम चाहते है कि आप इस मामले को जल्दी से जल्दी समाप्त करें ताकि हम लोग रैली में जा सकें। इतना ही मेरा आपसे निवेदन है। (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Mr. Rameshwar Singh, the matter will not go farther than what Mr Advani and Mr. Shahi have said. (*Interruptions*).

श्री रामेश्वर सिंह : क्या आप सरकारी पार्टी को इजाजत देंगे कि वह जनता की गाढ़ी कमाई को बरबाद करें ? (व्यवधान)

श्री शिव चन्द्र झा (बिहार) : मेरा कहना है कि आज जो तमाशा हो रहा है उसमें सरकारी साधनों का दुरुपयोग हो रहा है। स्कूल और कालिज सब बंद हो गए हैं। (व्यवधान)

श्री सभापति: आप बैठ जाइये। There is no subject in this.

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी (आन्ध्र प्रदेश) : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है।

MR. CHAIRMAN: There is no subject. Mr. Singh, will you listen to me? (*Interruptions*). Mr. Reddy, please sit down. Just a minute (*Interruptions*).

1 p.m.

कुछ माननीय सदस्य : श्रीमन्, हमको बोलने का मौका दीजिए।

श्री रामेश्वर सिंह : श्रीमन्, कुछ माननीय सदस्यों को सदन में आने नहीं दिया गया है। यह सदन का अपमान है।

श्री सभापति : श्री रामेश्वर सिंह जी, अब आप बैठ जाइये। अब मैं इस मामले को तय करता हूं कि जब डिसकशन होगा तो उस वक्त सब बोलेंगे। अभी इस वक्त बोलने का कोई फायदा नहीं है . . . (*Interruptions*)

I am standing. (*Interruptions*) There is no subject for discussion. In fact, Mr. Advani has very correctly said that he has raised this subject and asked for a discussion. What is the use of anticipating that by raising the issue right now.. (*Interruptions*) Otherwise we will not be able to do our other work. I think the matter may rest here and Mr. Advani's request and Mr. Shahi's request may come before me. (*Interruptions*) Now, Mr. Secretary-General to lay Papers on the Table (*Interruptions*).

श्री रामेश्वर सिंह : श्रीमन्, आप मेरी बात सुन लीजिए. . . (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I do not think we can get into it just now. We cannot have it just now.

श्री रामेश्वर सिंह : श्रीमन्, सदस्यों को सदन में आने नहीं दिया गया है. . . (*Interruptions*)

श्री सभापति : आप फिर कहेंगे, फिर कहेंगे, फिर कहेंगे। इस वक्त कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है।

PAPERS LAID ON THE TABLE

SHRI BHUPESH GUPTA (West Bengal): On this I have a submission to make.

SHRI SADASHIV BAGAITKAR (Maharashtra): I am on a point of order. (*Interruptions*)

SHRI ARVIND GANESH KULKARNI (Maharashtra): On a point of order. You are calling for the Papers to be laid on the Table. (*Interruptions*) Mr. Kesri is going to place some Ordinances on the Table of the House. But, Sir, you have yourself ruled in the last Session that Ordinances in the ordinary course should not be issued. Has the Government become wild or otherwise? I do not know. Sir the Ordinance on Black Bondsnns "n(I ;ffi ffih†c7z - the Table of the House. It should be thrown out. It cannot be placed on the Table of the House. I would appeal to Mr. Kesri not to place it on the Table of the House. (*Interruptions*).

Statement of the Bills passed by the Houses of Parliament during the Hundred and Sixteenth Session of the Rajya Sabha and assented to by the President.

THE SECRETARY-GENERAL: Sir, I beg to lay on the Table a Statement (in English and Hindi) showing the Bills passed by the Houses of Parliament during the Hundred and Sixteenth Session of the Rajya Sabha and assented to by the President. (*Interruptions*) [Placed in Library. See No. LT- 1777|81].

SHRI SADASHIV BAGAITKAR: On a paint of order. (*Interruptions*).

SHRI ARVIND GANESH KULKARNI: When we are objecting, how can you allow him.... (*Interruptions*).